

Ο μαγικός καθρέφτης – Αντον Τσέχοφ



Кривое зеркало – Антон Чехов

Адаптированный текст подготовила Федорова Елена.

Смотрите еще материалы на <http://real-greece.ru/proza/knigi.html>

Μπήκαμε, με τη γυναίκα μου, στο σαλόνι. Μύριζε υγρασία και αποσύνθεση. Μόλις ανάψαμε τα φώτα, εκατομμύρια ποντίκια και αρουραίοι, που δεν είχαν αντικρίσει το φως για εκατό χρόνια τώρα, πήδηξαν προς όλες τις κατευθύνσεις.

Όταν κλείσαμε πίσω μας την πόρτα, δημιουργήθηκε ένα ρεύμα αέρα που ανακίνησε το χαρτομάνι, σωρούς ολόκληρους, στο πάτωμα.

Το φως έπεσε πάνω σ' αυτά τα χαρτιά και είδαμε ανάμεσά τους παλιά έγγραφα και μεσαιωνικές εικονογραφήσεις. Στους πρασινισμένους από την πολυκαιρία τοίχους κρέμονταν τα πορτρέτα των προγόνων. Οι πρόγονοι κοιτούσαν υπεροπτικά, αυστηρά, σαν να ήθελαν να πουν: «Ε, ρε, μαστίγωμα που σου χρειάζεται, φιλαράκο!»

Я и жена вошли в гостиную. Там пахло мохом и сыростью. Миллионы крыс и мышей бросились в стороны, когда мы осветили стены, не видавшие света в продолжение целого столетия.

Когда мы затворили за собой дверь, пахнул ветер и зашевелил бумагу, стопами лежавшую в углах.

Свет упал на эту бумагу, и мы увидели старинные письма и средневековые изображения. На позеленевших от времени стенах висели портреты предков. Предки глядели надменно, сурово, как будто хотели сказать:

- Выпороть бы тебя, братец!

<p>Τα βήματά μας αντηχούσαν σε όλο το σπίτι. Η ηχώ απαντούσε στο βήχα μου, η ίδια αυτή ηχώ που κάποτε απαντούσε στους προγόνους μου...</p> <p>Ο άνεμος σφύριζε και αγκομαχούσε. Στην καμινάδα ήταν σαν κάποιος να κλαψουρίζει, και στο κλάμα αυτό ξεχώριζες την απόγνωση. Χοντρές σταγόνες βροχής χτυπούσαν πάνω στα σκοτεινά, θολά παράθυρα, κι ο χτύπος αυτός σε βύθιζε σε μελαγχολία.</p> <p>«Ω, οι πρόγονοι, οι πρόγονοί μου!» είπα αναστενάζοντας με νόημα. «Αν ήμουν συγγραφέας, κοιτάζοντας τα πορτρέτα τους θα έγραφα ένα μακροσκελές μυθιστόρημα.</p> <p>Όλοι αυτοί οι γέροντες ήταν κάποτε νέοι κι ο καθένας τους, ή η καθεμιά τους, είχε και από ένα ρομάντζο... και τι ρομάντζο, μάλιστα!</p> <p>Κοίτα, για παράδειγμα, τούτη εδώ τη γριά, την προγιαγιά μου. Αυτή η άσχημη, δύσμορφη γυναίκα έχει τη δική της, εξαιρετικά ενδιαφέρουσα, ιστορία. Βλέπεις», ρώτησα τη γυναίκα μου,</p> <p>«βλέπεις αυτόν τον καθρέφτη που κρέμεται εκεί στην άκρη;»</p> <p>Της έδειξα προς το μεγάλο καθρέφτη με τη μαυρισμένη ασημένια κορνίζα, που κρεμόταν στη γωνία, δίπλα στο πορτρέτο της προγιαγιάς μου.</p> <p>«Ο καθρέφτης αυτός διαθέτει μαγικές ιδιότητες. Αυτός σκότωσε την προγιαγιά μου. Για να τον αποκτήσει, πλήρωσε ένα υπέρογο ποσό και δεν τον αποχωρίστηκε ως το θάνατό της.</p> <p>Κοιταζόταν σ' αυτόν μέρα νύχτα, αδιάκοπα, κοιταζόταν όταν έτρωγε κι όταν έπινε.</p> <p>Πέφτοντας να κοιμηθεί, τον τοποθετούσε δίπλα της στο κρεβάτι και πεθαίνοντας ζήτησε να τον βάλουν μαζί της στον τάφο. Δεν εκπλήρωσαν την επιθυμία της, μόνο και μόνο γιατί ο καθρέφτης δε χωρούσε στο φέρετρο».</p> <p>«Ήταν κοκέτα;» ρώτησε η γυναίκα μου.</p>	<p>Шаги наши раздавались по всему дому. Моему кашлю отвечало эхо, то самое эхо, которое когда-то отвечало моим предкам...</p> <p>А ветер выл и стонал. В каминной трубе кто-то плакал, и в этом плаче слышалось отчаяние. Крупные капли дождя стучали в темные, тусклые окна, и их стук наводил тоску.</p> <p>- О, предки, предки! - сказал я, вздыхая значительно. - Если бы я был писателем, то, глядя на портреты, написал бы длинный роман.</p> <p>Ведь каждый из этих старцев был когда-то молод и у каждого или у каждой был роман... и какой роман!</p> <p>Взгляни, например, на эту старушку, мою прабабушку. Эта некрасивая, уродливая женщина имеет свою, в высшей степени интересную повесть. Видишь ли ты, - спросил я у жены,</p> <p>- видишь ли зеркало, которое висит там в углу?</p> <p>И я указал жене на большое зеркало в черной бронзовой оправе, висевшее в углу около портрета моей прабабушки.</p> <p>- Это зеркало обладает волшебными свойствами: оно погубило мою прабабушку. Она заплатила за него громадные деньги и не расставалась с ним до самой смерти.</p> <p>Она смотрелась в него дни и ночи, не переставая, смотрелась даже, когда пила и ела.</p> <p>Ложась спать, она всякий раз клала его с собой в постель и, умирая, просила положить его с ней вместе в гроб. Не исполнили ее желания только потому, что зеркало не влезло в гроб.</p> <p>- Она была кокетка? - спросила жена.</p>
--	--

<p>«Ας πούμε. Αλλά, σάμπως δεν υπήρχαν κι άλλοι καθρέφτες, και μάλιστα πιο ωραίοι; Γιατί αγάπησε αυτόν ειδικά τον καθρέφτη, κι όχι οποιονδήποτε άλλο;</p> <p>Απλώς, εδώ, αγαπητή μου, κρύβεται ένα τρομερό μυστικό. Η παράδοση λέει ότι στον καθρέφτη απεικονίζεται ο διάβολος κι ότι η προγιαγιά μου είχε αδυναμία στους δαίμονες.</p> <p>Φυσικά αυτό είναι ανοησία, όμως, αναμφίβολα, ο καθρέφτης με την ασχημεία κορνίζα διαθέτει μυστικές δυνάμεις».</p> <p>Σκούπισα τη σκόνη από πάνω του, κοίταξα και χαχάνισα. Στο χαχανητό μου απάντησε η ηχώ. Ο καθρέφτης ήταν κοίλος και διαστρέβλωνε το πρόσωπό μου: η μύτη μου βρέθηκε στη θέση του αριστερού μάγουλου, ενώ το πιγούνι μου διπλασιαζόταν και έφευγε κάπου στην άκρη.</p> <p>«Περίεργο γούστο είχε η προγιαγιά μου!» είπα.</p> <p>Η γυναίκα μου πλησίασε δειλά στον καθρέφτη, κοίταξε, και τότε συνέβη κάτι τρομερό.</p> <p>Χλόμιασε, άρχισε να τρέμει σύγκορμη και έβγαλε μια δυνατή κραυγή. Το κηροπήγιο της έπεσε από το χέρι, κύλησε στο πάτωμα, και το κερί έσβησε. Μας τύλιξε το σκοτάδι. Την ίδια στιγμή άκουσα να πέφτει κάτι βαρύ: η γυναίκα μου είχε λιποθυμήσει.</p> <p>Ο άνεμος κλαυθμύριζε ακόμα πιο παραπονιάρικα, ένα γύρο έτρεξαν αρουραίοι, πάνω στα χαρτιά αναδεύτηκαν τα ποντίκια.</p> <p>Οι τρίχες του κεφαλιού μου σηκώθηκαν όρθιες όταν ξεκόλλησε ένα παντζούρι και γκρεμίστηκε κάτω. Από το παράθυρο φάνηκε το φεγγάρι...</p> <p>Άρπαξα τη γυναίκα μου, τη σήκωσα και τη μετέφερα έξω από τον οίκο των προγόνων μου. Ήρθε στα συγκαλά της μόλις το επόμενο βράδυ.</p> <p>«Ο καθρέφτης! Δώστε μου τον καθρέφτη!» είπα ανακτώντας τις αισθήσεις της. «Πού είναι ο καθρέφτης;»</p>	<p>- Положим. Но разве у нее не было других зеркал? Почему она так полюбила именно это зеркало, а не другое какое-нибудь? И разве у нее не было зеркал получше?</p> <p>Нет, тут, милая, кроется какая-то ужасная тайна. Не иначе. Предание говорит, что в зеркале сидит чёрт и что у прабабушки-де была слабость к чертям.</p> <p>Конечно, это вздор, но несомненно, что зеркало в бронзовой оправе обладает таинственной силой.</p> <p>Я смахнул с зеркала пыль, поглядел в него и захохотал. Хохоту моему глухо ответило эхо. Зеркало было криво и физиономию мою скривило во все стороны: нос очутился на левой щеке, а подбородок раздвоился и полез в сторону.</p> <p>- Станный вкус у моей прабабушки! - сказал я.</p> <p>Жена нерешительно подошла к зеркалу, тоже взглянула в него - и тотчас же произошло нечто ужасное.</p> <p>Она побледнела, затряслась всеми членами и вскрикнула. Подсвечник выпал у нее из рук, покатился по полу, и свеча потухла. Нас окутал мрак. Тотчас же я услышал падение на пол чего-то тяжелого: то упала без чувств моя жена.</p> <p>Ветер застонал еще жалобней, забегали крысы, в бумагах зашуршали мыши.</p> <p>Волосы мои стали дыбом и зашевелились, когда с окна сорвалась ставня и полетела вниз. В окне показалась луна...</p> <p>Я схватил жену, обнял и вынес ее из жилища предков. Очнулась она только на другой день вечером.</p> <p>- Зеркало! Дайте мне зеркало! - сказала она, приходя в себя. - Где зеркало?</p>
---	---

<p>Όλη την επόμενη βδομάδα δεν έτρωγε, δεν έπινε, δεν κοιμόταν, μόνο ζητούσε να της φέρουν τον καθρέφτη.</p> <p>Έκλαιγε, τραβούσε τα μαλλιά της κεφαλής της, χτυπιόταν και, τελικά, όταν ο γιατρός δήλωσε ότι μπορεί και να πεθάνει από την εξάντληση κι ότι η κατάστασή της είναι εξαιρετικά επικίνδυνη, κατανικώντας το φόβο μου, κατέβηκα πάλι κάτω και της έφερα τον καθρέφτη της προγιαγιάς.</p> <p>Αντικρίζοντάς τον ξέσπασε σ' ένα άγριο γέλιο όλο ευτυχία, μετά τον άρπαξε, τον φίλησε και βυθίστηκε μέσα του.</p> <p>Έχουν περάσει περισσότερα από 10 χρόνια που κοιτάζεται σ' αυτόν, δεν τον αποχωρίζεται ούτε στιγμή.</p> <p>«Μα, εγώ είμαι αυτή;» μουρμουρίζει και στο πρόσωπό της, μαζί με το κοκκίνισμα απλώνεται ευδαιμονία και ενθουσιασμός.</p> <p>«Ναι, εγώ είμαι! Όλοι ψεύδονται εκτός από αυτόν τον καθρέφτη! Ψεύδονται οι άνθρωποι! Ψεύδεται ο άντρας μου! Ω, αν είχα δει τον εαυτό μου νωρίτερα, αν ήξερα ποια είμαι στην πραγματικότητα, δε θα είχα παντρευτεί τον άνθρωπο αυτόν!</p> <p>Δεν είναι άξιος για μένα! Στα πόδια μου οφείλουν να πέφτουν οι πιο όμορφοι, οι πιο ευγενικοί ιππότες...»</p> <p>Μια φορά, καθώς στεκόμουν πίσω της, κοίταξα τυχαία στον καθρέφτη και... τότε ανακάλυψα το τρομερό μυστικό. Είδα σ' αυτόν μια γυναίκα εκθαμβωτικής ομορφιάς, που παρόμοιά της δεν είχα αντικρίσει ποτέ στη ζωή μου.</p> <p>Ήταν ένα θαύμα της φύσης, η αρμονία της ομορφιάς, της κομψότητας και του έρωτα. Τι συνέβαινε λοιπόν; Πώς η αδέξια, άσχημη γυναίκα μου φαινόταν τόσο όμορφη στον καθρέφτη; Πώς;</p> <p>Μα, επειδή ο κοίλος καθρέφτης στρέβλωνε το άσχημο πρόσωπό της, κι από τη στρέβλωση των χαρακτηριστικών του γινόταν, εντελώς</p>	<p>Целую неделю потом она не пила, не ела, не спала, а всё просила, чтобы ей принесли зеркало.</p> <p>Она рыдала, рвала волосы на голове, металась, и наконец, когда доктор объявил, что она может умереть от истощения и что положение ее в высшей степени опасно, я, пересиливая свой страх, опять спустился вниз и принес ей оттуда прабабушкино зеркало.</p> <p>Увидев его, она захохотала от счастья, потом схватила его, поцеловала и впиалась в него глазами.</p> <p>И вот прошло уже более десяти лет, а она всё еще глядится в зеркало и не отрывается ни на одно мгновение.</p> <p>- Неужели это я? - шепчет она, и на лице ее вместе с румянцем вспыхивает выражение блаженства и восторга.</p> <p>- Да, это я! Всё лжет, кроме этого зеркала! Лгут люди, лжет муж! О, если бы я раньше увидела себя, если бы я знала, какая я на самом деле, то не вышла бы за этого человека!</p> <p>Он не достоин меня! У ног моих должны лежать самые прекрасные, самые благородные рыцари!..</p> <p>Однажды, стоя позади жены, я нечаянно поглядел в зеркало и - открыл страшную тайну. В зеркале я увидел женщину ослепительной красоты, какой я не встречал никогда в жизни.</p> <p>Это было чудо природы, гармония красоты, изящества и любви. Но в чем же дело? Что случилось? Отчего моя некрасивая, неуклюжая жена в зеркале казалась такою прекрасной? Отчего?</p> <p>А оттого, что кривое зеркало покривило некрасивое лицо моей жены во все стороны, и от такого перемещения его черт оно стало</p>
---	--

<p>τυχαία, πανέμορφο. Μείον στο μείον μας δίνει συν.</p> <p>Τώρα, καθόμαστε κι οι δυο αντάμα, εγώ κι η γυναίκα μου, μπροστά στον καθρέφτη και κοιτάζουμε σ' αυτόν, γεμάτοι προσήλωση, τις φάτσες μας: η μύτη η δικιά μου φυτρώνει στο αριστερό μου μάγουλο, το πιγούνι μου διπλασιάζεται και φεύγει κάπου στην άκρη, αλλά το πρόσωπο της γυναίκας μου είναι μαγευτικό. Τότε με καταλαμβάνει ένα δαιμονισμένο πάθος.</p> <p>«Χα-χα-χα!» γελάω εγώ άγρια.</p> <p>Κι η γυναίκα μου ψιθυρίζει σιγανά:</p> <p>«Τι όμορφη που είμαι!»</p>	<p>случайно прекрасным. Минус на минус дало плюс.</p> <p>И теперь мы оба, я и жена, сидим перед зеркалом и, не отрываясь ни на одну минуту, смотрим в него: нос мой лезет на левую щеку, подбородок раздвоился и сдвинулся в сторону, но лицо жены очаровательно - и бешеная, безумная страсть овладевает мною.</p> <p>- Ха-ха-ха! - дико хохочу я.</p> <p>А жена шепчет едва слышно:</p> <p>- Как я прекрасна!</p>
---	---